Naidunia - Indore

14th Feb. 2020

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी की है आवश्यकता

इंदौर। आजकल के दौर में शिक्षा में विद्यार्थियों को बहुत से अवसर मिलते हैं साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक मूल्यों और कलाओं से जुड़ने का मौका मिलता है। इसलिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी की आवश्यकता है। इसमें मन प्रफुल्लित होगा और भारतीय संस्कृति भी हमारे अंदर जिंदा रहेगी। मुझे स्कूल में लिखने का शौक था। बाद में नाटककार बनने का सोचा फिर फिल्मों के माध्यम से लोगों तक पहुंच बनाई।

संस्थान के कार्यक्रम में दिलीप शुक्ला (मध्य) को सम्मानित किया गया। ● आयोजक

यह कहना है फिल्म लेखक दिलीप शुक्ला का। श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय स्पंदन- 2020 में वे गुरुवार को संस्थान में विद्यार्थियों से रूबरू हुए। लेखक शुक्ला 'दामिनी, दबंग और अंदाज अपना-अपना' जैसी फिल्में लिख चुके हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में संस्थान के कुलपति डॉ. उपिंदर धर, कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जिज्ञासु दुबे और सभी विभागों के हेड मौजूद थे। स्पंदन की सह संयोजिका डॉ. रूपाली भारतीय ने कार्यक्रम का परिचय दिया। पहले दिन काव्यांजलि और ओपन माइक का आयोजन भी किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने कविताएं प्रस्तुत की। नृत्य प्रतियोगिता, ढोल नाइट और कई टैलेंट हंट इवेंट भी आयोजित किए गए।

अगले दो दिन कई कार्यक्रम होंगे

कार्यक्रम के तहत 14 फरवरी को बैटल ऑफ सिंगिंग होगा। इसमें प्रसिद्ध रैपर ग्रुप प्रस्तुति देगा। ज्ञान-रीति नाम की प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। 15 फरवरी को फैशन शो और कई प्रतियोगिताएं होंगी। इसी दिन डीजे नाइट का आयोजन भी किया जाएगा। स्पंदन में 18 से ज्यादा साइड इवेंट भी होंगे। इसमें शॉर्ट फिल्म, ट्रेजर हंट, कुकिंग, फेस पेंटिंग, क्विज और प्रतियोगिताएं होंगी। कल्चरल फेस्ट स्पंदन में इस वर्ष करीब आठ हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। कार्यक्रम में कुलपति डॉ. धर ने कहा हमारी यूनिवर्सिटी हर विद्यार्थी के पूर्ण विकास पर ध्यान केंद्रित करती है। बेहतर पाठ्यक्रम के साथ-साथ विद्यार्थियों के विकास के लिए कई गतिविधियां भी आयोजित की जाती है। उन्होंने बताया कि भविष्य में मुख्य अतिथि दिलीप शुक्ला यूनिवर्सिटी में स्क्रिप्ट लेखन कार्यशालाएं भी करेंगे।

रंगीला हिन्दुस्तान... वैष्णव विश्वविद्यालय में मैनेजमेंट फेस्ट के 5वें संस्करण का शुभारंभ

चैतन्य लोक » इन्दौर
dainikchaitanyalok.com

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्व विद्यालय, इंदौर द्वारा तीन दिवसीय स्पंदन 2020 टेकनो मनेजमेंट फेस्ट के 5वें संस्करण का उद्घाटन 13 फरवरी को किया गया जिसकी थीम 'रंगीला हिंदुस्तान' पर आधारित थी। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि हिंदी फ़िल्म जगत के जाने माने लेखक दिलीप शुक्ला थे, जिन्होंने दामिनी, दबंग और अंदाज अपना अपना जैसी प्रसिद्ध फिल्में लिखी हैं.उद्घाटन समारोह में डॉ. उपिंदर धर-कुलपति, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्व विद्यालय डॉ. जिज्ञासु दुबे-समन्वयक स्पंदन 2020 और सभी विभागाअध्यक्ष मौजूद थे। उद्घाटन समारोह में स्पन्दन की सह संयोजिका डॉ. रूपाली भारतीय ने 'स्पंदन 2020' का परिचय दिया और बताया की यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को मनोरंजन का यादगार अनुभव प्रदान करता है। सप्न्दन के पहले दिन मुख्य कार्यक्रम काव्यांजलि, ओपन माइक है , जिसमें छात्र अपनी कविताएं प्रस्तुत करेंगे एवं 'ताल' कार्यक्रम में नृत्य प्रतियोगिता, ढोल नाईट और कई टैलेंट हंट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है।

14 फरवरी को दो प्रमुख कार्यक्रम आयोजित होने वाले हैं- बैटल ऑफ़ सिंगिंग- 'स्वरांजलि' जिसमें प्रसिद्ध रैपर ग्रुप सीधे मौत और संगीत कलाकार हिस्सा लेंगे साथ ही 'ज्ञान-रीती' प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है। 15 फरवरी को होंगे- 'अम्ब्रिती' फैशन शो,

अभिनयती, एक अभिनय प्रतियोगिता और सनबर्न डीजे मारी फेरारी के साथ डीजे नाइट का आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त स्पंदन में अट्ठारह से अधिक साइड इवेंट का आयोजन भी किया जाएगा जिनमें शॉर्ट फिल्म, ट्रेजर हंट, कुकिंग, फेस पेंटिंग, क्विज़ जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं शामिल हैं। इस वर्ष बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट और रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन स्पंदन 2020 के अंतर्गत किया जा रहा है। कल्चरल फेस्ट स्पंदन में इस वर्ष 8000 विद्यार्थी भाग बनेगे। अपने स्वागत भाषण में डॉ. उपिंदर धर, कुलपति, श्री वैष्णव विद्यापीठ विद्यालय ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय हर विद्यार्थी के पूर्ण विकास पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसके लिए एक निर्धारित पाठ्यक्रम है और साथ ही सह पाठयक्रम और अन्य अतिरिक्त गतिविधियों की संख्या है जो हर छात्र को भाग लेने के लिए प्रेरित करती है जिनमे स्पंदन अन्य गतिविधियों से अलग है, यह विद्यार्थियों को उनकी पसंदिता कलाओं को संरक्षित करने में सहायक है, जो आपके अभिनय, गायन और कई तरह की प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का मंच है। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य में मुख्य अतिथि दिलीप शुक्ला विश्वविद्यालय में स्क्रिप्ट लेखन कार्यशालाएं करेंगे। मुख्य अतिथि दिलीप शुक्ला ने कहा लेखक अपने आस पास के वातावरण से जुड़ता है। आजकल के दौर में शिक्षा में विद्यार्थियों को बहुत से अवसर मिलते है साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक मूल्यों तथा कलाओं से जुड़ने का मौका मिलता है. सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी की आवश्यकता है जिससे मन प्रफुल्लित होगा और भारतीय संस्कृति भी हमारे अन्दर जिंदा रहेगी। मुझे महाविद्यालय जाने का मौका नहीं मिला लेकिन इस तरह के कार्यक्रमों में मुझे महा विद्यालयों में ही अतिथि के रूप में बुलाया जाता है जिससे मुझे भी भाग लेने का अवसर मिलता है स्कुल में लिखने का शौक था बाद में नाटककार बनने का सोचा फिर फिल्मो के माध्यम से लोगो तक पहुच बनाई। उद्घाटन समारोह के अंत में प्रोफेसर चेतन चौहान ने आभार प्रदर्शन किया।